



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

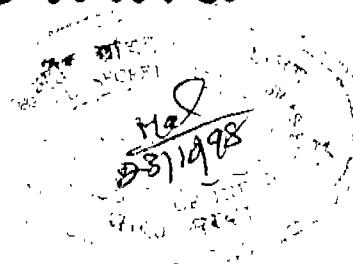
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 110]
No. 110]नई दिल्ली, मंगलवार, मई 12, 1998/वैशाख 22, 1920
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 12, 1998/VAISAKHA 22, 1920

आणिक्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 मई, 1998

प्रारम्भिक निष्कर्ष

विषय :—कोरिया गणराज्य, जापान, मलेशिया और ताईवान से पोलिस्टीरीन के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच प्रारम्भिक निष्कर्ष।

12/2/97/एडीडी.—1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण और क्षति निधारण) नियमावली, 1995 को देखते हुए :

क. प्रक्रिया

जांच के संबंध में अधोलिखित क्रियाविधि का पालन किया गया है :—

- निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके पश्चात प्राधिकारी कहा जाएगा) को नियमों के अन्तर्गत घरेलू उद्योग की ओर से पोलिस्टीरीन उत्पादकों के संघ की तरफ से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया और ताईवान मूल के या वहाँ से निर्यात किए गए पोलिस्टीरीन के पाटन का आरोप लगाया गया;
- प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त प्रमाण के आधार पर जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया और ताईवान से पोलिस्टीरीन के आयातों के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने अक्त नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पहले पाटन के आरोप की प्राप्ति के विषय में जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया के दूतावासों और ताईपेई आर्थिक और सांस्कृतिक केन्द्र को सूचित किया;
- प्राधिकारी ने 16 सितम्बर, 1997 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित किया गया जिसके द्वारा जापान, कोरिया-गणराज्य, मलेशिया और ताईवान के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पोलिस्टीरीन के आयातों के संबंध में प्रतिपाटन जांच शुरू की गई। पोलिस्टीरीन सीमाशुल्क टैरिफ, अधिनियम, 1975 की अनुसूची। उपरीष्ठ खण्ड 3903 के तहत वर्गीकृत है।
- प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति ज्ञात सभी निर्दातकों (जिनका विवरण याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराया गया था) और उद्योग संगठनों को भेजी और नियम 6(2) के अनुसार उन्हें लिखित रूप में अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का अवसर दिया।

(v) प्राधिकारी ने भारत में पालिस्टीन के जात सभी आयातकों को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें सलाह दी कि पत्र मिलने के चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने दृष्टिकोण से अवगत कराएं।
केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी.बी.ई.सी.) से भी अनुरोध किया गया कि जांच की अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान भारत में किए गए पालिस्टीरीन के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें।

(vi) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की प्रतियां जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया और ताईपेई आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र के जात निर्यातकों तथा दूतावासों को प्रदान की।

(vii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार अपेक्षित जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित जात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी :

- * एल जी इंटरनेशनल, कोरिया आर.पी.;
- * डोंगबू कैमिकल कं. कोरिया आर.पी.;
- * हनान कैमिकल कारपोरेशन, कोरिया आर.पी.;
- * होसुंग बास्फ कं. लि., कोरिया आर.पी.;
- * चील इण्डस्ट्रीज इंक, कोरिया आर.पी.;
- * पैट्रोकैमिकल्स (एम) एसडीएन, बीएचडी, मलेशिया;
- * एंटरनल कैमिकल कम्पनी, लि. ताईवान;
- * ची मई ताईवान;
- * मित्सुबिशी, कैमिकल कारपोरेशन, जापान।

नियांकि ने प्रश्नावली का उत्तर दिया

- * पैट्रोकैमिकल्स (एत) एसडीएन, बीएचडी, मलेशिया;
- * एंटरनल कैमिकल कम्पनी, लि. ताईवान।

(viii) जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया और ताईवान के ताईपेई आर्थिक और सांस्कृतिक केन्द्र नई दिल्ली, स्थित दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच के संबंध में सूचना दी गई जिसमें यह अनुरोध किया गया कि वे अपने-अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का निर्धारित समय के अंदर उत्तर देने की सलाह दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रतियां जात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित दूतावासों को भी भेजी गई थी।

(ix) भारत में पोलिस्टीरीन के निम्नलिखित जात आयातकों को भी एक प्रश्नावली भेजी गई जिसमें नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगी गई थी :

- * ब्लॉ प्लास्ट लि.;
- * बर्डसेल लि.;
- * क्रिस्टल प्लास्टिक एण्ड मेटलाइनिंग प्रा. लि.;
- * सेलो हाउस होल्ड एप्लाएन्सेन प्रा. लि.;
- * डयूरोप्लास्ट कन्टेनर्स प्रा. लि.;
- * जी.ई. प्लास्टिक्स इण्डिया लि.;
- * गोपी प्लास्टिक इण्डस्ट्रीज लि.;
- * हरिराम गोविन्दराम;
- * हाइटेसन मैगनेटिक्स लि.;
- * इन्फ्रा इण्डस्ट्रीज लि.;
- * इण्डियन शेविंग प्रोडक्ट्स लि.;
- * जे.सी.टी. इलैक्ट्रोनिक्स लि.;

- * मलहोत्रा शेविंग प्रोडक्ट्स लि.;
- * मिल्टन प्लास्टिक्स लि.;
- * पालिसेट प्लास्टिक्स लि.;
- * पुष्पक प्लास्टिक्स प्रा. लि.;
- * सौराष्ट्र बॉल्ट पैन प्रा. लि.;
- * शेब्रो मैनुफैक्चरिंग कं.;
- * संघवी राइटिंग इण्डस्ट्रीज लि.;
- * टेनवाला कैमिकल्स एण्ड प्लास्टिक लि.;
- * टीना ओष्ठसरीज लि.;
- * विद्युत मेटलिक लि.;
- * बीडियोकोन इण्टरनेशनल लि.;
- * एक्सप्रो इण्डिया लि.;
- * एलाएड इण्टर्मेट्रेस प्रा. लि.;
- * डी आर प्लास्टिक्स।

(x) याचिकाकर्ताओं से क्षति के बारे में अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी जो उहोंने प्रस्तुत कर दी।

(xi) अनेक पार्टियों ने समय सीमा बढ़ाने की मांग की, उचित कारण बताने पर प्राधिकारी द्वारा उसकी अनुमति दी गई।

(xii) प्राधिकारी ने इच्छुक पार्टियों के निरीक्षण के लिए रखी गई पब्लिक फाइल विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्षों का गैर-गोपनीय अंश उपलब्ध कराया।

(xiii) संबंधित माल के उत्पादन की इष्टतम लागत, निर्माण लागत तथा भारत में उसकी बिक्री लागत का जायजा लेने के लिए लागत जांच भी की गई। यह जांच सामान्य स्थीकृति लेखांकन सिद्धांतों (जीएपी) तथा याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना पर आधारित थी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि क्या डंपिंग मार्जिन से कम प्रतिपादन शुल्क धेरलू हानि को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

(xiv) यह जांच 1 अप्रैल, 1996 से 31 मार्च, 1997 तक की अवधि के लिए की गई थी।

छ. याचिकाकर्ता के विचार :

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में निम्नांकित मुद्दे उठाए हैं:

(i) संदर्भाधीन देशों के निर्यातक भारत में पोलिस्टीरीन का पाठन कर रहे हैं। ताइवान के निर्यातकों द्वारा सामान्य मूल्य की पुष्टि ताइवान के एक उत्पादक की कीमत सूची से होती है। मलयेशिया के मामले में सामान्य मूल्य की पुष्टि मलयेशिया और जापान में पोलिस्टीरीन की औसत कीमत से की गई है जबकि कोरिया गणराज्य के मामले में सामान्य मूल्य की पुष्टि एक अग्रणी पत्रिका (आई.सी.आई.एस.-ए.ए.ओ.आर.) से की गई है। इन देशों की निर्यात कीमत का निर्धारण मुंबई बंदरगाह पर सीमाशुल्क को टैकिंग सूची से एकत्रित सूचना से की गई है, जहां से अधिकांश आयात हुआ है।

(ii) संदर्भाधीन देशों के आयातों से भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। इसका प्रमाण बिक्री कीमतों की तेजी से आई गिरावट से पता चलता है, जो कि भारतीय उत्पादकों को उत्पादन लागत से काफी कम है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय उत्पादकों को लिंसीय क्षति हुई है।

ग. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार निम्नानुसार है:

3. (i) पोलिस्टीरीन एक पण्य प्लास्टिक है जिसकी कीमत काफी पारदर्शी है और समाचार रिपोर्ट एवं पत्रिकाओं जैसे प्रचार माध्यमों के द्वारा आसानी से इसका पता लगाया जा सकता है।

(ii) पोलिस्टीरीन कीमतों का उत्तर-चक्रव इस क्षेत्र में मांग और आपूर्ति के संतुलन, प्रौद्योगिकी की उन्नति और उसके साथ-साथ संबंधित सुविधाओं की कार्यक्षमता के कारण होता है। ये कीमतें अंतर्राष्ट्रीय बाजार में स्टीरीन मानोमर की मांग और आपूर्ति के संतुलन पर भी निर्भर करती हैं।

(iii) भारतीय उत्पादकों के लिए स्टीरीन मोनोमर के रूपान्तरण का मार्जिन इतना अधिक है कि इस उत्पाद को अत्यधिक लाभ वाले उत्पाद की श्रेणी में वर्गीकृत किया जा सकता है। जो कि भारत में उच्च टैरिफ के कारण हो सकता है।

(iv) कुछ घटिया स्तर की सामग्री और कुछ कार्गो के कारण भारतीय बाजार में कुछ भ्रान्ति पैदा हो गई होगी। ऐसी अंतर्राष्ट्रीय प्रथा है कि घटिया स्तर की सामग्री की बिक्री नियमित सामग्री की तुलना में करीब 100 अमरीकी डालर प्रति मी० टन कम पर की जाती है।

(घ) उत्तराएं गए मुद्रों की जांच

4. आयातकों, याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत अनुरोधों की जांच की गई है, उन पर विचार किया गया है और इसके बाद उपयुक्त जगहों पर उन पर विचार किया गया है।

(ङ) विचाराधीन उत्पाद

5. इस जांच में विचार किया गया उत्पाद पोलिस्टीरीन है। पोलिस्टीरीन एक अस्थिर थर्मोप्लास्टिक रेजिन है जोकि सामान्य उद्देश्य के क्रिस्टल तथा इम्पैक्ट ग्रेडों से लेकर रेजिन के अत्यधिक विशेषीकृत ग्रेडों के प्रतिपादन में उपलब्ध है। पोलिस्टीरीन विभिन्न रूपों में हो सकता है। किन्तु क्रिस्टल पोलिस्टीरीन (लोकप्रिय रूप से सामान्य उद्देश्य के पोलिस्टीरीन या जीपीपीएस के रूप में जात) तथा इम्पैक्ट पोलिस्टीरीन (लोकप्रिय रूप से उच्च प्रभाव वाले पोलिस्टीरीन या एच आई पीएस के रूप में जात) ही वर्तमान जोड़ों की विषय वस्तु हैं। जी. पी. पी. एस. एक साफ रवाहीन पालिमर है और इसका उपयोग खाद्य पैकेजिंग, खाद्य सेवा की मर्दें, चिकित्सा संबंधी उत्पादों तथा ओडिया कैसेट्स, कम्प्यूक्ट डिस्क और अन्य उपभोक्ता इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए होता है। एच आई पी एस में प्रभावी सुधारों के लिए पालीबुटाडीन इलास्टोमर का उपयोग होता है और इसका उपयोग खिलौने, फर्नीचर, गृह-सामग्री, खाद्य पैकेजिंग, खाद्य सेवा, चिकित्सा संबंधी उत्पादों, उपकरणों, भवन सामग्रियों, उपभोक्ता इलैक्ट्रॉनिक और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की पैकेजिंग के लिए होता है। जीपीपीएस तथा एचआईपीएस अलग-अलग किसी के पालिस्टीरीन हैं और वे एक दूसरे के पूरक नहीं हैं।

6. पालिस्टीरीन का वर्गीकरण सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के सीमाशुल्क उप-शीर्ष 390319 तथा आई टीसी के 39031900 के अन्तर्गत किया गया है। किन्तु, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह वर्तमान जांच के क्षेत्र पर किसी भी तरह बाध्यकारी नहीं है।

च. समान वस्तुएं

7. यह प्रमाणित करने के लिए कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पोलिस्टीरीन जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया और ताइवान से निर्यात किए गए पोलिस्टीरीन के समान वस्तु हैं, भौतिक गुण (आकार, रासायनिक संरचना, कच्चा माल), विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, उसके कार्य और उपयोग, उत्पाद वर्गीकरण, मूल्य-निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसे गुणों पर विचार किया गया है। यह विवाद करने का कोई तर्क नहीं है कि विभिन्न रूपों में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पोलिस्टीरीन विभिन्न रूपों में संदर्भाधीन देशों से आयातित पोलिस्टीरीन के समान वस्तु हैं। संदर्भाधीन देशों से विभिन्न रूपों में आयातित पोलिस्टीरीन को घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पोलिस्टीरीन के साथ पारस्परिक रूप से परिवर्तित किया जा सकता है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित माल को नियम 2 (घ) के अर्थ में जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया और ताइवान से निर्यातित माल के समान वस्तु माना गया है।

छ. घरेलू उद्योग

8. पोलीस्टीरीन प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन, मुम्किं हो द्वारा याचिका दायर की गई है। भारत में पोलिस्टीरीन के निम्नलिखित उत्पादकों द्वारा याचिका का समर्थन किया गया, जो उक्त एसोसिएशन के सदस्य भी हैं।

(क) सुप्रीम पैट्रोकेम लि.

(ख) हिन्दुस्तान पोलिमर्स लि.

(ग) राजस्थान पोलिमर्स एंड रेसिन्स लि.

9. भारत में पोलिस्टीरीन का कोई अन्य उत्पादक नहीं है। याचिकाकर्ता याचिका दायर करने की स्थिति में है।

10. एचआईपीएस प्रकार की पोलिस्टीरीन के आयातकों में से एक आयातक मैसर्स सुप्रीम इंडस्ट्रीज लि. सुप्रीम पैट्रोकेम लि. से संबंधित है। इसलिए मैसर्स सुप्रीम पैट्रोकेम लि. को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखा गया है। आकी के दो याचिकाकर्ता कंपनियां भारत में पोलिस्टीरीन का अधिकांश उत्पादन करती हैं। और इसलिए ऊपर नियम 2(ख) के अनुसार वे घरेलू उद्योग की परिभाषा के अन्तर्गत आती हैं।

ज. पाठन

11. धारा 9(क)(1)(ग) के अन्तर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :

- (i) समान वस्तु के लिए सामान्य व्यापार के रूप में तुलनीय मूल्य जब तक व निर्यातक देश या क्षेत्र में उपयोग के निमित हो जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अन्तर्गत बनए नियमों के अनुसार किया गया हो, या
- (ii) जब सामान्य व्यापार के रूप में निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में समान वस्तु की कोई बिक्री न हो या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा;

(क) समान वस्तु का सुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य जब उसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उपयुक्त अन्य देश से किया जाए जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अन्तर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए; या

(ख) उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु उत्पादन लागत; जिसमें प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत तथा साध के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो जिसका निर्धारण उपधारा(6) के अन्तर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए :

बशर्ते कि ऐसे मामले में जहां वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से इतर किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु को निर्यात वाले देश से होकर केवल यानान्तरित किया गया हो या ऐसी वस्तु का निर्यात वाले देश में उत्पादन नहीं किया जाता हो या निर्यात वाले देश में कोई भी सुलनात्मक कीमत नहीं हो तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा ।

ऊपर बताई गई धारा के अनुसार प्राधिकारी ने जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया और ताईवान के निर्यातकों के जांच से संगत सूचना प्रस्तुत करने और टिप्पणियां यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया । प्राधिकारी ने भारत स्थित जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया के दूतावास और ताईपेह इकॉनॉमिक एंड कलचरल सेंटर को लिखा था । अनेक कंपनियों ने समय बढ़ाने के लिए निवेदन किया था, जिसकी अनुमति भी प्राधिकारी द्वारा दी गई थी । तथापि, इंटरनल कैमिकल कं. लि. ताईवान और पैट्रोकेमिकल्स (एम) एसडीएन, बीएचडी, मलेशिया के अलाका किसी भी निर्यातक ने सूचना प्रस्तुत करने के प्राधिकारी के निवेदन का प्रत्युत्तर नहीं दिया है । इन दो निर्यातकों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण इन निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर किया गया है ।

झ. पैट्रोकेमिकल्स (एम) एसडीन, बीएचडी, मलेशिया :

12. पैट्रोकेमिकल्स एमएसबी द्वारा किए गए प्रत्युत्तर की छान-बीन करने से यह पता चलता है कि प्रत्युत्तर निम्नलिखित के संदर्भ में अपूर्ण है :

निर्यातक से जांच अवधि के सभी महीनों के लिए घरेलू बाजार में की गई बिक्री और भारत को किए गए निर्यातों के बारे में सूचना प्रस्तुत करने की अपेक्षा की गयी थी, जैसा कि प्रपत्र 2-ख में निर्धारित किया गया है । तथापि, निर्यातक ने जांच अवधि के कुछ महीनों के लिए केवल घरेलू बाजार के मामले में सूचना प्रस्तुत की है ।

निर्यातकों ने प्रपत्र 2ग, घ और छ के अन्तर्गत अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की है, और नहीं उसे प्रस्तुत न करने का कारण बताए हैं ।

प्रपत्र 2 क में जांच अवधि के लिए निर्यातक द्वारा दावा की गई कुल बिक्री प्रपत्र 4क में दावा की गई कुल बिक्री से मेल नहीं खाती है और न ही निर्यातक द्वारा इस अन्तर के लिए कारण बताए गए हैं ।

प्रपत्र 2 क में दर्शाए गए भारत को किए गए कुल निर्यातों के ब्यौरे, प्रपत्र 1 में उल्लिखित ब्यौरों से मेल नहीं खाते हैं ।

पूरी जांच अवधि के लिए लाभ और हानि का विवरण-पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है । निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए लाभ और हानि के विवरण-पत्र में हानि दर्शायी गयी है । तथापि, यह स्पष्ट नहीं है कि क्या निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किया गया लाभ और हानि का विवरण-पत्र विचाराधीन उत्पाद के लिए है अथवा इसमें ऐसा कोई अन्य क्रियाकलाप भी शामिल है, जिसे निर्यातक द्वारा निष्पादित किया जा सकता है । निर्यातक ने केवल तुलना पत्र और लाभ और हानि विवरण-पत्र के उद्धरण ही प्रस्तुत किए हैं । कंपनी द्वारा प्रकाशित की गयी व्याख्यिक लेखों की संपूर्ण प्रति प्रस्तुत नहीं की गयी है ।

13. पैट्रोकेमिकल्स एम एस बी ने दावा किया है कि उसने अक्टूबर, 1997 और फरवरी, 1998 के महीनों में जीपीपीएस प्रकार का और अक्टूबर 1977 और जनवरी 1998 के महीनें में एचआईपीएस प्रकार का निर्यात किया है । निर्यातक ने केवल इन महीनों के लिए ही घरेलू बाजार में बिक्री के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है, जबकि प्राधिकारी ने जांच अवधि के सभी महीनों के लिए सूचना मांगी थी, आहे किसी विशेष महीने में भारत का निर्यात किया गया अर्थवा नहीं । जांच की शुरुआत के समय प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना से यह पता चलता था कि जांच अवधि में माह-दर-माह सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत में काफी अधिक परिवर्तन हुआ था । प्राधिकारी यह नोट कर सकते हैं कि सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए विचार की गयी बिक्री की तारीख और बीजक की तारीख में लगभग एक माह का अन्तर है । चूंकि निर्यातक ने जांच अवधि के सभी महीनों की सूचना प्रस्तुत नहीं की है । इसलिए निर्यातक निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए संविदा की तारीख पर विचार करना व्यावहारिक नहीं है । अतः निर्यात कीमतों पर वस्तुओं के बीजक की तारीख के आधार पर विचार किया गया है । किसी विशेष महीने में निर्यात कीमतें उसी माह में भारत को किए गए सभी निर्यातों के भारित औसत पर आधारित होती है । और इसलिए उन की अनुमति दी जा सकती है ।

14. “घरेलू बाजार में बिक्री कीमतें कोरिया गणराज्य में उस माह में की गई सभी बिक्रियों की औसत बिक्री कीमतों पर आधारित प्रतीत होती है और इसलिए उनकी अनुमति दी गई है ।

15. निर्यातक ने कोरिया गणराज्य में की गई बिक्री से अन्तर्देशीय भाड़े (अमरीकी डालर प्रति मी. टन) के कारण समायोजनों का दावा किया है । भारत को किए गए निर्यातों के मामले में, निर्यातक निम्नलिखित कीमत समायोजनों का दावा किया है ।

अमरीकी डालर प्रति मी. टन

- * भराई ()
- * अन्तर्देशीय भाड़ा ()
- * हैंडलिंग-फारवर्डिंग प्रभार ()
- * टर्मिनल हैंडलिंग प्रभार ()
- * विदेशी भाड़ा ()
- * कु. समायोजन ()

16. निर्यातक ने दावा किया है कि उसने जांच अवधि में घटिया किस्म की खेप का निर्यात किया है। निर्यातक ने दावा किया है कि घटिया किस्म की सामग्री की कीमत अच्छी खेप की तुलना में सामान्यतः, 100 अमरीकी डालर प्रति मी. टन तक कम होती है। इस खेप से संबंधित बीजक से यह पता चलता है कि निर्यातक ने उत्पाद को "उत्तम तुल्य" घोषित किया है। इस दावे के समर्थन में कि घटिया किस्म की खेप सामान्यतः अच्छी खेप से 100 अमरीकी डालर प्रति मी. टन तक की कम कीमत पर बेची जाती है निर्यातक द्वारा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसलिए, प्राधिकारी ने केंपनी द्वारा जानबूझ कर निर्यात की गयी घटिया किस्म की सामग्री के कारण कीमत समायोजन प्रारंभिक निर्धारण के लिए किया है।

17. प्रारंभिक निर्धारण के उद्देश्य से सभी अन्य कीमत समायोजनों की अनुमति देना उचित समझा जाता है।

II. एटर्नल कैमिकल कं० लि�०, ताइवान

18. मैसर्स चाइनीज नेशनल फेडरेशन ऑफ इण्डस्ट्रीज ने प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली का उत्तर दिया था। तथापि, कम्पनी ने जो प्रत्युत्तर भेजा है, वह मैसर्स एटर्नल कैमिकल लिं०, ताइवान की ओर से दायर किया हुआ प्रतीत होता है। दायर किया गया उक्त प्रत्युत्तर अपूर्ण है, ब्योकि कम्पनी ने निम्नलिखित सूचना प्रस्तुत नहीं की है :—

- (क) कम्पनी का नाम व शीर्ष, जिसने संशुद्ध प्रमाणपत्र निष्पादित किया है और सत्यापन की इच्छा जाहिर की है।
- (ख) परिशिष्ट छ : 1 से छ : 5 के अंतर्गत यथा-निर्धारित अपेक्षित सामान्य सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है।
- (ग) परिशिष्ट 2ग, 2घ, 2ड (घरेलू बाजार में की गई बिक्री और भारत को तथा अन्य देशों को किए गए निर्यातों के ब्यौरों से संबंधित)।
- (घ) एच पी 602 के लिए परिशिष्ट 3 ख (घरेलू बाजार में बिक्री के लिए बिक्री मूल्य संरचना)।
- (ड) परिशिष्ट 4 क में दर्शाए गए कम्पनी के कुल उत्पादन और बिक्री परिशिष्ट 4 क में दर्शाए गए व्यष्टिगत ग्रेडों के उत्पादन और बिक्री से मेल नहीं खाते हैं।
- (च) परिशिष्ट 4 ख में कम्पनी द्वारा दर्शाए गए कारखाना यूनिट बिक्री मूल्य (उत्पादन लागत) परिशिष्ट 3 क में दर्शाए गए कारखाना यूनिट बिक्री मूल्यों से मेल नहीं खाते हैं। निर्यातक ने उत्पादन लागत की तुलना परिशिष्ट 3 क में दर्शाई गई सकल बिक्री मूल्यों से को है।

19. कम्पनी द्वारा प्रस्तुत की गई उत्पादन लागत की संखीक्षा से यह पता चलता है कि कम्पनी ने कच्ची सामग्री की लागत में केवल स्टिरिन मोनोमर मूल्यों की व्यवस्था की है। अन्य ऐसी सामग्रियों के बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है जिनकी खपत कम्पनी ने पोलीस्टरीन के उत्पादन के लिए की है। कम्पनी द्वारा प्रस्तुत की गई उत्पादन लागत में व्याज और वित्त पोषण लागतों की व्यवस्था नहीं है इसलिए कम्पनी द्वारा दावा की गई उत्पादन लागत को पूरी लागत के रूप में नहीं समझा जा सकता।

20. कम्पनी द्वारा दावा की गई उत्पादन लागत की तुलना परिशिष्ट 3 ख और 3 क में केंपनी द्वारा दावा किए गए कारखाना मूल्यों से करने पर यह पता चलता है कि कारखाना बिक्री मूल्य कम्पनी द्वारा दावा की गई उत्पादन लागत से कम थे। इसलिए घरेलू बाजार में की गई बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में नहीं आती हैं।

21. उपर्युक्त को देखते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू मूल्यों के आधार पर नहीं किया जा सकता। कम्पनी ने अन्य देशों के लिए नियंत मूल्य के बारे में व्यापक सूचना प्रस्तुत नहीं की है। कम्पनी द्वारा दावा की गई उत्पादन लागत में पूरी लागत शामिल की गई प्रतीत नहीं होती है। इसलिए सामान्य मूल्य का आंकलन उत्पादन लागत के आधार पर भी नहीं किया जा सकता।

22. उपर्युक्त को देखते हुए, प्राधिकारी ने अनंतिम निष्कर्षों के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करना उचित समझा। याचिकाकर्ता ने सूची मूल्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है और इसलिए उसे कम्पनी से पूरी सूचना नहीं मिलने की स्थिति में तर्कसंगत साक्ष्य नहीं समझा जा सकता।

23. सामसुंग कारखाने ने लिखा था कि उसे अधिसूचना और प्रश्नावली की प्रति प्राप्त नहीं हुई है। कम्पनी ने सहयोग देने की अपनी इच्छा जाहिर की थी। यद्यपि, प्राधिकारी ने कम्पनी द्वारा समयावधि बढ़ाने के लिए किए गए अनुरोध को स्वीकार किया था। तथापि, उनके द्वारा कोई प्रत्युत्तर दायर नहीं किया था।

24. निशों इवाई कारपोरेशन, बंगलौर ने जापान स्थित अपने मुख्यालय की तरफ से लिखा था कि प्रश्नावली की प्रति जापान में प्राप्त नहीं हुई है। कम्पनी को प्रश्नावली भेजी गई थी और उक्त प्रश्नावली के प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने की उन्हें सलाह दी गई थी। लेकिन, कम्पनी से कोई प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

25. मितसुबिसी कैमिकल, जापान ने यह जवाब दिया था कि कम्पनी ने अपने रिकांडों की जांच की है और यह पाया गया है कि उक्त अधिकारी के दौरान कम्पनी द्वारा ऐसा कोई निर्यात नहीं किया गया है जिसकी जांच की जाए। अतः कम्पनी ने यह बताया था कि वह प्रश्नावली का प्रत्युत्तर देने की स्थिति में नहीं है।

26. मलेशिया के मामले में, पेट्रोकैमिकल (एम) एस डी एन, बी एच डी के अनुसार उस देश में पोलीस्ट्रीन का केवल एक ही उत्पादक है, और इसलिए इस कम्पनी के लिए निकाली गई मार्जिन अन्य कम्पनियों पर भी लागू होती है। ताइवान के मामले में डी जी सी आई एण्ड एस द्वारा सूचित किए गए आयात एटर्नल कैमिकल द्वारा दर्शाए गए निर्यातों से अधिक है। ताइवान के अन्य निर्यातकों ने प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया है। प्राधिकारी ने ताइवान के अन्य निर्यातकों के मामले में एटर्नल कैमिकल द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और डी जी सी आई एण्ड एस से उपलब्ध सूचना के आधार पर निर्यात मूल्य का निर्धारण करना उचित समझा। जापान और कोरिया गणराज्य के मामले में प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करना उचित समझा और निर्यात मूल्य का निर्धारण डी जी सी आई एण्ड एस के आधार पर किया जा सकता है।

27. तुलना से संबंधित नियमों में निम्नानुसार व्यवस्था है :

“डंपिंग का मार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के इसी स्तर पर सामान्यतः कारखाना द्वारा स्तर पर की जाएगी और यथासम्भव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अंतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी; अंतर में शामिल है बिक्री की शर्तें, कारधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, वास्तविक विशेषताएं तथा अन्य अंतर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।”

28. सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्यों के बीच उचित तुलना के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और प्राधिकारी के पास उपलब्ध अन्य प्रकाशित सूचना को ध्यान में रखा। निर्धारित किया गया गया सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य, जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, कारखाना द्वारा स्तर पर है और इसलिए सामान्य मूल्य की तुलना कारखाना स्तर पर भारित औसत निर्यात मूल्य के साथ की गई है।

29. पाटन मार्जिन निम्नानुसार बैठता है :—

डंपिंग मार्जिन		
ताइवान	इंटरनल कैमिकल कं ० लि०, जी०पी०पी०एस०	41%
	एच०आई०पी०एस०	24%
अन्य कोई		88%
पेट्रोकैमिकल एम एस बी भलेशिया	जी०पी०पी०एस०	20%
	एच०आई०पी०एस०	22%
कोरिया गणराज्य		22%
जापान		27%

I. क्षति

30. उपरोक्त नियम 11, अनुबंध-II के अंतर्गत जब क्षति के बारे में निष्कर्ष निकाल लिया जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में “…………पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में मूल्यों पर उनका प्रभाव, ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामकारी प्रभावों समेत सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए” घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा। मूल्यों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच करनी आवश्यक समझी जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों से मूल्यों में पर्याप्त गिरावट रही है अथवा क्या अन्यथा ऐसे आयातों का उद्देश्य मूल्यों को काफी हद तक स्थिर रखना है अथवा मूल्य वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी हद तक हो गया होता।

31. उपर्युक्त नियम 11 के अंतर्गत अनुबंध-II (III) में यह व्यवस्था है कि जिस मामले, में किसी उत्पाद का आयात एक से अधिक देशों से हुआ हो और उनकी एक साथ पाटनरोधी जांच हो रही है तो पदनामित प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संयक्षी रूप से मूल्यांकन केवल तब करेगा

जब वह यह निर्धारित करता है कि :

(क) प्रत्येक देश से किए गए आयातों के बारे में स्थापित डॉपिंग मार्जिन निर्यात मूल्य के रूप में दिए गए 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से किए गए आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों का 3% है अथवा जहाँ प्रत्येक देश का निर्यात 3% से कम है वहाँ संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयातों का 7% से अधिक बनता है; और

(ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों की मात्रा एवं डॉपिंग मार्जिन उक्त निर्धारित सीमा से अधिक है। आयातों के प्रभावों का संचयी से मूल्यांकन करना उचित है।

कोरिया गणराज्य, ताइवान, जापान और मलेशिया प्रत्येक संबद्ध देश से किए गए आयातों की मात्रा एवं डॉपिंग मार्जिन उक्त निर्धारित सीमा से अधिक है। आयातों के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन करना उचित है क्योंकि भारतीय बाजार में संबद्ध देशों से किए गए निर्यातों की स्पष्टीकरण सीधे घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सामानों से थी।

32. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार से समान वस्तु के मूल्यों पर पाटित आयातों को प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामकारी प्रभाव दोनों पर विचार किया। घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के प्रभाव का मूल्यांकन करने के प्रयोजन से प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमों के अनुबंध-II (IV) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा स्टॉक, लाभप्रदता निवल बिक्री वसूली, पाठन की मात्रा एवं मार्जिन जैसे संकेतों पर विचार किया जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं।

33. वर्ष 1994-95 तक भारत में पालिस्ट्रीन का एकमात्र उत्पादक अर्थात हिन्दुस्तान पालीमर्स मैसर्स राजस्थान पॉलिमर ने एच आई पी एस किस्म का वर्ष 1994-95 में और जी पी पी एस किस्म का वर्ष 1995-96 में व्याणिज्यिक उत्पादन शुरू किया। सुप्रीम पेट्रोकेम ने वर्ष 1995-96 में व्याणिज्यिक उत्पादन शुरू किया। इसलिए केवल वर्ष 1995-96 तथा 1996-97 के मापदण्डों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का मूल्यांकन करना उचित होगा।

(क) पाटित आयातों का मात्रा और बाजार हिस्सा:—जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया और ताइवान से किया गया आयात 13392 मी० टन (1995-96) से बढ़कर 14501 मी० टन (1996-97) तक हो गया। पालिस्ट्रीन का आयात निरपेक्ष रूप से बहुत बढ़ गया था।

जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया और ताइवान से भारत में किए गए पालिस्ट्रीन के आयात का हिस्सा 75% (1994-95) से बढ़कर 81% (जांच अवधि) तक हो गया। भारत में पालिस्ट्रीन की कुल मांग में संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा 20% (1995-96) से बढ़कर 38% (जांच अवधि) तक हो गया था। संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि भारत में पालिस्ट्रीन के आयात तथा भारत में पालिस्ट्रीन की खपत दोनों ही रूप में काफी अधिक हो गयी थी।

(ख) घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले आर्थिक मापदण्ड

(i) उत्पादन और क्षमता उपयोग;

घरेलू उद्योग का उत्पादन जांच अवधि में घट जाने के फल स्वरूप उनके क्षमता उपयोग में गिरावट आयी, जैसाकि नीचे दर्शाया गया है :—

	1994-95			1995-96		
	जीपीपीएस	एचआईपीएस	योग	जीपीपीएस	एचआईपीएस	योग
उत्पादन (मी०टन०)	20667	28415	49082	23743	23473	39035
%क्षमता उपयोगिता**			81.80			65.06

**60,000 मी० टन की स्थापित क्षमता

(ii) निरपेक्ष रूप में बिक्री

निरपेक्ष रूप में घरेलू उद्योग की बिक्री में निमानुसार गिरावट आयी —

	1994-95			1995-96		
	जीपीपीएस	एचआईपीएस	योग	जीपीपीएस	एचआईपीएस	योग
बिक्री (मी०टन०)	19124	28468	47592	16526	24169	40695

(III) स्टॉक

घरेलू उद्योग के पालिस्टीन के स्टॉक में निम्नानुसार गिरावट आयी :—

	1994-95		1995-96			
	जीपीपीएस	एचआईपीएस	योग	जीपीपीएस	एचआईपीएस	योग
स्टॉक (मीटन०)	1921	1726	3647	958	1030	1988

(IV) औसत बिक्री वसूली

उत्पाद शुल्क, बिक्री कमीशन का भुगतान (यदि कोई हो) और बिक्री पर दी गयी बिक्री रियायत (यदि कोई हो) को छोड़कर घेरेलू उद्योग की निवल औसत इकाई बिक्री वसूली में निम्नानुसार पर्याप्त रूप से गिरावट आयी :—

	1995-96		1996-97	
	जीपीपीएस	एचआईपीएस	जीपीपीएस	एचआईपीएस
निवल बिक्री वसूली	40777	45536	32583	37682

जांच अवधि के दौरान औसत बिक्री वसूली घेरेलू के इष्टसम उत्पादन लागत से कम थी जिसके फलस्वरूप घेरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हुआ।

(V) लाभ/हानि :—

घेरेलू उद्योग पालिस्टीन से बिक्री से मुनाफा कम रहा था। तथापि, जांच अवधि के दौरान इकाई बिक्री वसूली अपने उत्पादन लागत से काफी कम होने के फलस्वरूप याचिकाकर्ता को वित्तीय घाटा हुआ। यह बात नोट की जाती है कि घेरेलू उद्योग को वर्ष 1995-96 में वित्तीय घाटा हुआ। तथापि, ऐसा मुख्यतः कम्पनियों द्वारा एक प्रमुख कच्ची सामग्री स्टिरीन का दत्याधिक ऊंची मूल्य अदा करने की वजह से हुआ था।

भारत में स्टिरीन मोनोमर के एक अन्य उपभोक्ता द्वारा जो कीमतें अदा की गई हैं वे विश्व में अन्य क्रेताओं द्वारा अदा की गई कीमतों से तुलनीय हैं। आरपीआरएल और एलजीपीएल ने वर्ष 1995-96 में जो घाटा उठाया वह उची कीमतों पर स्टिरीन की खरीद के कारण हुआ है और उनका पोलिस्ट्रीन का उत्पादन अन्यथा मुनाफा दे देता। वर्ष 1996-97 में घाटे की वजह पालिस्ट्रीन के अलाभकारी मूल्य थे।

(छ) क्षति पर निष्कर्ष

- जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पालिस्टीन का निरपेक्ष रूप में आयात बढ़ा
- जांच अवधि के दौरान भारत में पालिस्टीन के आयात में संबद्ध देश के हिस्से में और भारत में इसकी मांग में काफी बढ़ि हुई ;
- संबद्ध देश से पालिस्टीन के नियतों ने घेरेलू उद्योग को अपनी कीमतें अलाभकारी स्तर पर रखने के लिए बाध्य किया और घेरेलू उद्योग को अपने उचित बिक्री मूल्यों को प्राप्त करने से रोका जिसके फलस्वरूप घेरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हुआ;
- घेरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न संकेतकों और उत्पादन, क्षमता उपयोगिता, बिक्री मात्रा, औसत बिक्री वसूली, स्टॉक घाटा सामृहिक एवं संबंधी रूप से यह स्थापित करते हैं कि घेरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है, भले ही कुछ मापदण्ड सुधार प्रदर्शित करते हों;

34. इस प्रकार यह देखा गया है कि घेरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ज. कारणमात्रक सम्बन्ध :

25. यह प्रमाणित करने में कि घेरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से आयातों के कारण हुई है, प्राधिकारी यह अवधारित कर सकते हैं कि जापान, कारिया गणराज्य, मलयेशिया और ताइवान से आयातों के बाजार हिस्से में बढ़ि के परिणामस्वरूप घेरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आयी और इससे घेरेलू उद्योग अपनी कीमतें अलाभकारी स्तरों पर रखने के लिए बाध्य हुआ और घेरेलू उद्योग को अपनी उचित बिक्री की वसूली करने से रोका जिसके परिणामस्वरूप घेरेलू उद्योग को वित्तीय हानियां हुईं।

ठ. भारतीय उद्योग के हित और मुद्रे

26. सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है, जिससे घेरेलू उद्योग को क्षति हो रही है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है, जो कि देश के सामान्य हित में है।

27. यह माना गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तु के उपयोग से विनिर्भीत उत्पादों के कोमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं

होगी, विशेषकर तब, जबकि लगाया जाने वाला पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक राशि तक ही समिति कर दिया जाए। इसके विपरीत पाटनरोधी शुल्क लगाने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा, घरेलू उद्योग के द्वास को रोका जा सकेगा और पॉलीस्ट्रीन के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहेंगे। पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

28. घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा का पता लगाने के लिए प्राधिकारी घरेलू उद्योग के लिए भारत में पॉलिस्ट्रीन के उचित बिक्री मूल्य पर निर्भर रह सकते हैं और इस संबंध में घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के इष्टमत स्तर पर इष्टतम उत्पादन लागत पर विचार किया है।

ड. पहुंच मूल्य :

29. सीमा-शुल्क के प्राचलित स्तर और एक प्रतिशत उत्तराई और दो प्रतिशत हैंडलिंग प्रभार जोड़ने के बाद जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया और ताईवान से पालिस्ट्रीन की भारित औसत नियांत कीमत के आधार पर पहुंच-मूल्य निर्धारित किया गया है।

द. निष्कर्ष :

30. प्राधिकारी ने प्रबोक्त पर विचार करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि :

- (क) जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया और ताईवान के मूल के अथवा वहां से नियांत पॉलिस्ट्रीन का भारत को नियांत उसके मूल्य से कम पर किया गया, जिसके परिणामस्वरूप पाटन-हुआ;
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (ग) क्षति कुल मिलाकर संबद्ध देशों से होने वाले आयातों के कारण हुई है।

यह आवश्यक समझा जाता है कि आगे जांच होने तक अंतिम रूप से निर्धारण होने तक संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से नियांत पॉलिस्ट्रीन 31 के सभी आयातों पर अन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

32. यह विचार किया गया कि क्या डॉम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाना क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। इस उद्देश्य के लिए आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत से की गई जो कि जांच अवधि के लिए निर्धारित की गई थी। जहां यह अंतर डॉम्पिंग मार्जिन से भी कम था, वहां क्षति की मात्रा से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है। तदनुसार यह प्रस्ताव किया जाता है कि इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया तथा ताईवान के मूल के या वहां से नियांत किए गए पॉलिस्ट्रीन के सभी आयातों पर सीमा-शुल्क टैरिफ के अध्याय 39 के अन्तर्गत निर्धारण होने तक निम्नानुसार अन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए :—

क्रम सं.	देश का नाम	नियांतक का नाम	प्रति पाटन शुल्क की राशि	
			4	(रुपए प्रति मी. टन)
1.	मलेशिया	ग. पेट्रोफैमिकल्स (एम) एस डी एन बी एच डी, मलेशिया * जी पी पी एस किस्म की पॉलिस्ट्रीन * एच आई पी एस किस्म की पॉलिस्ट्रीन (घ) कोई भी अन्य नियांतक * जी पी पी एस किस्म की पॉलिस्ट्रीन * एच आई पी एस किस्म की पॉलिस्ट्रीन	4360 4250 4360 4250	
2.	कोरिया गणराज्य	कोई भी नियांतक	5991	
3.	ताईवान	(ग) एटर्नल कैमिकल कं. लि. * जी पी पी एस किस्म की पॉलिस्ट्रीन * एच आई पी एस किस्म की पॉलिस्ट्रीन	शून्य 2677	
		अन्य नियांतक	11388	
4.	जापान	कोई भी नियांतक	3766	
42.	संबद्ध जात नियांतकों, आयातकों, यानिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध घाटियों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है जो इस पत्र के जारी होने की तिथि 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तिथि से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है।	राति विनय ज्ञा, निर्दिष्ट प्राधिकारी		

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th May, 1998

PARLIAMENTARY FINDINGS

Subject: Anti dumping investigation concerning imports of polystyrene from Korea RP, Japan, Malaysia and Taiwan – Preliminary Findings

12/2/97/ADD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

The procedure described below has been followed with regard to the investigations:

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the Rules, received written application from Polystyrene Producers' Association, on behalf of the domestic industry, alleging dumping of polystyrene, originating in or exported from Japan, Korea RP, Malaysia and Taiwan;
- ii. The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner, decided to initiate investigations against imports of polystyrene from Japan, Korea RP, Malaysia and Taiwan. The Authority notified the Embassy of Japan, Korea RP, Malaysia and Taipai Economic & Cultural Centre, Taiwan about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules;
- iii. The Authority issued a public notice dated 16th Sept., 1997 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of polystyrene, classified under custom sub-heading 3903 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975, originating in or exported from Japan, Korea RP, Malaysia and Taiwan;
- iv. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose details were made available by the petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2);
- v. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known importers of polystyrene in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- vi. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of polystyrene for the past three years, including the period of investigations.

vii. The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassy of Japan, Korea RP, Malaysia and Taipai Economic & Cultural Centre, Taiwan in accordance with rules 6(3) supra;

viii. The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the following known exporters, in accordance with the rule 6(4);

- LG International, Korea RP;
- Dongbu Chemical Co., Korea RP;
- Hannan Chemical Corporation, Korea RP;
- Hyosung Basf Co., Ltd., Korea RP;
- Chiel Industries Inc., Korea RP;
- Petrochemicals (M) Sdn. Bhd, Malaysia;
- Eternal Chemical Co., Ltd, Taiwan;
- Chi Mei, Taiwan;
- Mitsubishi Chemical Corporation, Japan.

Response to the questionnaire was filed by the following:

- Petrochemicals (M) Sdn. Bhd, Malaysia;
- Eternal Chemical Co., Ltd, Taiwan;

ix. The Embassy of Japan, Korea RP, Malaysia and Taipai Economic & Cultural Centre of Taiwan in New Delhi were informed about the initiation of the investigations in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to them, alongwith a list of known exporters/producers;

x. A questionnaire was sent to the following known importers of polystyrene in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4):

- Blow Plast Ltd.;
- Beardsell Ltd.;
- Crystal Plastics & Metallizing Pvt. Ltd.;
- Cello Household Appliances Pvt. Ltd.;
- Duroplast Containers Pvt. Ltd.;
- GE Plastics India Ltd.;
- Gothi Plastic Industries;
- Hariram Gobindram;
- Hytaisun Magnetics Ltd.;
- Infra Industries Ltd.;
- Indian Shaving Products;
- JCT Electronics Ltd.;
- Malhotra Shaving Products Ltd.;
- Milton Plastics Ltd.;
- Polyset Plastics Ltd.;
- Pushpak Plastics Pvt. Ltd.;
- Saurashtra Ball Pen Pvt. Ltd.;
- Shebro Manufacturing Co.;
- Sanghavi Writing Industries Ltd.;
- Tainwala Chemicals & Plastics Ltd.;
- Tinna Overseas Ltd.;
- Vidyut Metallics Ltd.;

- Videcon International Ltd.;
- Xpro India Ltd.;
- Allied Instruments Pvt. Ltd.;
- DR Plastics

xi. Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which was also received;

xii. A number of parties made request for extension of time, which was, upon good cause shown, allowed by the Authority;

xiii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

xiv. Cost investigations were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioner so as to ascertain if anti- dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry;

xv. Investigations was carried out for the period from starting 1st April, 1996 to 31st March, 1997.

B. PETITIONER'S VIEWS

2. The petitioner has raised the following issues in their petition:

i) The exporters from the subject countries are dumping polystyrene in India. Normal value by the exporters from Taiwan is established from the list prices of a producer in Taiwan. Normal value in case of Malaysia and Japan is established by the average prices of polystyrene in Malaysia and Japan, while normal value in case of Korea RP is established in a leading journal (ICIS-LOR). Export price from these countries is established from the information compiled from the Customs Daily List for the imports at Mumbai port, which account for substantial imports.

ii) Imports from the subject countries have caused material injury to the Indian industry. The same is evidenced from the steep decline in the selling prices, far below the cost of production of the Indian producers, resulting in financial losses to the Indian producers.

C. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

3. The views expressed by the exporters, importers and other interested parties are as under:

a) Polystyrene is the commodity plastic whose price is very transparent and easily accessible by means of media, such as news reports and magazines

b) The polystyrene prices fluctuate by the demand and supply balance in the region, technological advancement as well as efficiency of the respective facilities. The prices also depend upon the demand and supply balance of styrene monomer in the international market.

- c) The styrene monomer conversion margin for Indian producers is large enough to classify the product under super profit categories (which could be due to high tariff in India).
- d) Some off-grade material and some cargo might have created some confusion in the Indian market. It is international practice that off-grade material is sold at about US \$ 100 pmt lower than the regular material.

D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED

4. The submissions made by the exporters, importers, petitioner and other interested parties have been examined, considered and have been dealt at appropriate places hereinafter.

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

5. The product considered in the present investigations is polystyrene. Polystyrene is a versatile thermoplastic resin available in wide range of formulations from general purpose crystal and impact grades to highly specialised resins. Polystyrene can be of various forms. However, crystal polystyrene (popularly known as general purpose polystyrene or GPPS) and impact polystyrene (popularly known as high impact polystyrene or HIPS) are the subject matter of the present investigations. GPPS is a clear, amorphous polymer and finds application in food packaging, food service items, medical care products, and packaging for audio cassettes, compact discs, and other consumer electronic media. HIPS makes use of polybutadiene elastomers for impact modifications and finds applications in toys, furniture, housewares, food packaging, food service, medical care products, appliances, building materials, consumer electronics, and packaging for electronic media. GPPS and HIPS are different types of polystyrenes and are not substituted with each other.

6. Polystyrene is classified under custom sub-heading 390319 of Schedule 1 of the Customs Tariff Act, 1975 and under 39031900 of the ITC. The description is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigations.

F. LIKE ARTICLES

7. In order to establish that the polystyrene produced by the domestic industry is a like article to the polystyrene exported from Japan, Korea RP, Malaysia and Taiwan; characteristics such as physical characteristics (size, chemical composition, raw material), manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods have been considered. There is no argument disputing that polystyrenes produced by the domestic industry in various forms are like articles to the polystyrenes imported from the subject countries in various forms. Polystyrenes in various forms imported from the subject countries are interchangeable with polystyrenes produced by the domestic industry. The goods produced by the domestic industry have been treated as like article to the goods exported from Japan, Korea RP, Malaysia and Taiwan within the meaning of the Rule 2(d).

G. DOMESTIC INDUSTRY

8. The petition has been filed by Polystyrene Producers' Association, Mumbai. The petition is supported by the following producers of polystyrene in India, who are also members of the Association:

- a) Supreme Petrochem Ltd. (SPL);
- b) Hindustan Polymers (HPL);
- c) Rajasthan Polymers and Resins Ltd. (RPRL).

9. There is no other producer of polystyrene in India. The petitioner satisfies the standing to file the present.

10. One of the importers of polystyrene, M/s. Supreme Industries Ltd. is related to Supreme Petrochem Ltd. M/s. Supreme Petrochem Ltd. has, therefore, been excluded from the purview of domestic industry. The remaining two petitioner companies (Hindustan Polymers Ltd. and Rajasthan Polymers and Resins Ltd) account for majority production of polystyrene in India and, therefore, satisfy the definition of the domestic industry, in accordance with Rule 2(b) supra.

H. DUMPING

11. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profit, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

The Authority provided opportunity to the exporters from Japan, Korea RP, Malaysia and Taiwan to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the Embassy of Japan, Korea RP, Malaysia and Taipai Economic & Cultural Centre, Taiwan in India also. A number of companies

requested for extension of time, which also allowed by the Authority. However, except for Eternal Chemical Co Ltd., Taiwan and Petrochemicals (M) Sdn. Bhd, Malaysia, no other exporter has responded to the Authority's request for information. Normal value in case of these two exporters has been determined on the basis of information furnished by these exporters. Normal value in case of other exporters has been determined on the basis of Rule 6(8), i.e., best information available with the Authority.

I. **Petrochemicals (M) Sdn. Bhd, Malaysia:**

12. Scrutiny of the response filed by Petrochemicals MSB reveals that the response is deficient in terms of the following:

- a) The exporter was required to furnish information on sales made in the home market and exports to India for all the months of the investigation period, as prescribed in proforma 2B. The exporter has, however, furnished information in case of home market only for some of the months of the investigation period.
- b) The exporter has not furnished information required under proforma 2C,D, &E, nor reasons for not furnishing the same have been mentioned.
- c) Total sales claimed by the exporter for the investigation period in proforma 2A do not tally with the sales claimed in proforma 4A, nor the reasons for the difference have been explained by the exporter.
- d) Details of total exports made to India shown in proforma 2A do not reconcile with the details mentioned in proforma 1.
- e) Profit & Loss Statement for the whole investigation period has not been furnished. Profit & Loss Statement furnished by the exporter shows a loss. It is, however, not clear whether the P&L Statement furnished by the exporter is for the product under consideration or includes any other activity which might be carried on by the exporter. The exporter has merely furnished extracts of Balance Sheet and P&L Statement. Complete copy of published Annual Accounts has not been furnished by the company.

13. Petrochemicals MSB has claimed that it has exported GPPS type in the month of Oct., 1996 and Feb., 1997 and HIPS type in the months of Oct., 1996 and Jan., 1997. The exporter has furnished information with regard to sales in the domestic market only for these months, whereas the Authority had desired information for all the months in the investigation period, whether there was an export to India or not in the particular month. The information available with the Authority at the time of initiation showed that there was significant changes in the normal value and export price from month-to-month in the investigation period. The Authority notes that the date of sale considered for determination of normal value and export price would assume importance in the instant case in view of significant changes in the month-to-month prices, as there is about one month difference in the date of contract and date of invoicing. Since the exporter has not furnished information for all the months of the investigation period, it is not feasible to consider date of contract for determination of the export price. The export prices have, therefore, been considered on the basis of date of invoicing of the goods. The export prices in a particular month are based on weighted average of all exports made to India in that month, and therefore, have been allowed.

14. Selling prices in the home market appears to be based on average selling prices of all sales made in Malaysia in that month, and, therefore, have been allowed.
15. The exporter has claimed adjustments on account of inland freight from the sales made in Malaysia. In case of exports made to India, the exporter has claimed the following price adjustments:
 - Stuffing,
 - Inland freight,
 - Handling - forwarding charges,
 - Terminal Handling Charges,
 - Overseas freight.
16. The exporter has claimed that it has exported one off-grade consignment in the investigation period. The exporter has claimed that the price of off-grade material is generally lower by US\$ 100 pmt as compared to good consignment. The invoice relating to this consignment shows that the exporter has declared the product as "near prime". Though there is no evidence produced by the exporter in support of the claim that the off-grade consignment is generally sold at US\$ 100 pmt lower than the good consignment, the Authority has, for the purpose of provisional determination, allowed price adjustment on account of off-grade material purportedly exported by the company in view of significant price difference in the price of off-grade material and good quality material.
17. It is considered appropriate to allow all other price adjustments for the purpose of preliminary determination.

II. **ETERNAL CHEMICAL CO LTD., TAIWAN:**

18. M/s. Chinese National Federation of Industries replied to the questionnaire sent by the Authority. The company has, however, enclosed response, which appears to be have been filed on behalf of M/s. Eternal Chemical Co Ltd., Taiwan. The response filed is incomplete in so far the company has not furnished the following information:
 - a) Name and title of the company, who executed the certificate of correctness and offered willingness for verification.
 - b) The general information required to be furnished as provided under appendix G1 to G5;
 - c) Appendix 2C, 2D, and 2E (relating to details of sales made in the home market and exports made to India and to other countries);
 - d) Appendix 3B (sale price structure for sales in the domestic market) for HP602;
 - e) Total production and sales of the company shown in Appendix 4A do not reconcile with the production and sales of individual grades shown in Appendix 4A;
 - f) The ex-factory unit selling prices shown by the company in Appendix 4B (cost of production) do not reconcile with the ex-factory unit selling prices shown in

Appendix 3A. The exporter has compared the cost of production with the gross selling prices shown in Appendix 3A.

19. A scrutiny of the cost of production furnished by the company reveals that the company has provided only for styrene monomer prices in the raw material cost. No explanation has been provided for the other materials, which the company should have consumed for production of polystyrene. The cost of production furnished by the company does not provide for interest and financing costs. The cost of production claimed by the company cannot, therefore, be considered as the full costs.
20. Comparison of the cost of production claimed by the company with the ex-factory prices claimed by the company in Appendix 3B and 3A shows that ex-factory selling prices were below the cost of production claimed by the company. The sales in the home market are, therefore, not in the ordinary course of trade.
21. In view of the above, the normal value cannot be determined on the basis of domestic prices. The company has not furnished detailed information with regard to the export price to third countries. The normal value has, therefore, been determined on the basis of constructed value, i.e., cost of production plus administrative, selling & general expenses and profit.

The cost of production claimed by the company does not include full costs, as detailed above. The Authority has, therefore, provided for costs of other materials, which the company should have consumed for production of polystyrene, and interest expenses on the basis of information available with the Authority, for the purpose of provisional determination, in view of incomplete information from the exporter in the costs claimed by the company. The Authority has provided for reasonable profit @ 5% on the total costs.

22. **Samsung Corporation:** Samsung Corporation wrote that it did not receive a copy of the notification and questionnaire. The company showed its willingness to cooperate. Though the Authority allowed extension of time requested by the company, no response was filed by them.
23. **Nissho Iwai Corporation:** Nissho Iwai Corporation, Bangalore wrote, on behalf of their Head Office in Japan, that a copy of the questionnaire was not received in Japan. The company was sent the questionnaire and was advised to furnish the response to the questionnaire. No response was, however, received from the company.
24. **Mitsubishi Chemical:** Mitsubishi Chemical, Japan responded that the company had examined its records and found that no exports were made by the company during the period, which were subject to investigation. The company, therefore, informed that it was not in a position to respond to the questionnaire.
25. In case of Malaysia, there is only one producer of polystyrene in that country according to Petrochemicals (M) Sdn. Bhd, and therefore the margins worked out for this company applies for others also. In case of Taiwan, the imports reported by DGCI&S are more than the exports shown by Eternal Chemical. The other exporters from Taiwan have not responded to the Authority. The Authority considered it appropriate to determine export price in case of other exporters from Taiwan on the basis of the information furnished by Eternal Chemical and

information available from DGCI&S. The normal value in case of these exporters has been determined at the same level as in case of Eternal Chemical. In case of Japan and Korea RP, the Authority has considered it appropriate to determine normal value on the basis of information furnished by the petitioner and the export price on the basis of DGCI&S.

26. The rules relating to comparison provides as follows:

"While arriving at margin of dumping, the designated authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."

27. For the purpose of fair comparison between the normal value and the export price, the Authority took into account the information furnished by the petitioner and other published information available with the Authority. The normal value and export price determined, as detailed above, are at ex-works level and therefore, the normal value has been compared with weighted average export price at ex-works level.

28. The dumping margin comes as under:

Name of the Country/Exporter	Dumping Margin (% of export price)
Taiwan	
a) Eternal Chemical Co Ltd.	
• GPPS type polystyrene	41 %
• HIPS type polystyrene	24 %
b) Other exporters	88 %
Petrochemicals (M) Sdn. Bhd., Malaysia	
• GPPS type polystyrene	20 %
• HIPS type polystyrene	22 %
Korea RP	22 %
Japan	27 %

I. **INJURY**

29. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "...taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

30. Annexure II(iii) under rule 11 supra further provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti Dumping investigation, the designated authority shall cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that

- (a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and
- (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

The margin of dumping and quantum of imports from each of the subject countries Korea RP, Taiwan, Japan and Malaysia are more than the limits prescribed above. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries were directly competing with the goods offered by the domestic industry in the Indian market.

31. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered both (a) volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. The Authority has, for the purpose of assessing the impact of the dumped imports on domestic producers, considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

32. There was only one producer of polystyrene in India until 1994-95, namely Hindustan Polymers. M/s. Rajasthan Polymer started commercial production of HIPS type in 1994-95 and GPPS type in 1995-96. Supreme Petrochem started commercial production in 1995-96. It would, therefore, be appropriate to assess injury to the domestic industry considering parameters for 1995-96 and 1996-97 only. The domestic industry, as detailed hereinabove, includes Hindustan Polymers Ltd. (HPL) and Rajasthan Polymers and Resins Ltd. (RPRL)

(a) Volume and Market share of Dumped imports:

Imports of polystyrene from Japan, Korea RP, Malaysia and Taiwan increased from 13392 MT (1995-96) to 14501 MT (1996-97). The imports of polystyrene increased significantly in absolute terms.

Share of Japan, Korea RP, Malaysia and Taiwan in imports of polystyrene in India increased from 75% (1994-95) to 81% (investigation period). Market share of the subject countries in total demand for polystyrene in India increased from

20% (1995-96) to 38% (investigation period). The increase in market share of imports from the subject countries was significant, both in terms of imports of polystyrene in India and the consumption of polystyrene in India.

b) **Economic parameters affecting the domestic Industry:**

i) **Production and Capacity Utilisation:**

Production of the domestic industry declined in the investigation period as shown below, resulting in decline in their capacity utilisation.

	1995-96			1996-97		
	GPPS	HIPS	TOTAL	GPPS	HIPS	TOTAL
Production (MT)	20667	28415	49082	15562	23473	39035
Capacity utilisation ** (%)			81.80			65.06

** installed capacity of 60000 MT.

ii) **Sale in absolute terms:**

Sales of the domestic industry in absolute volumes declined as follows:

	1995-96			1996-97		
	GPPS	HIPS	TOTAL	GPPS	HIPS	TOTAL
Sales (MT)	19124	28468	47592	16526	24169	40695

iii) **Stocks:**

Stock of polystyrene with the domestic industry reduced as shown below:

	1995-96			1996-97		
	GPPS	HIPS	TOTAL	GPPS	HIPS	TOTAL
Stocks (MT)	1921	1726	3647	958	1030	1988

iv) **Average Sales Realisation:**

Net average unit sales realisation of the domestic industry, after excluding excise duty, sales commissions paid (if any) and discounts on sales paid (if any) declined significantly as follows:

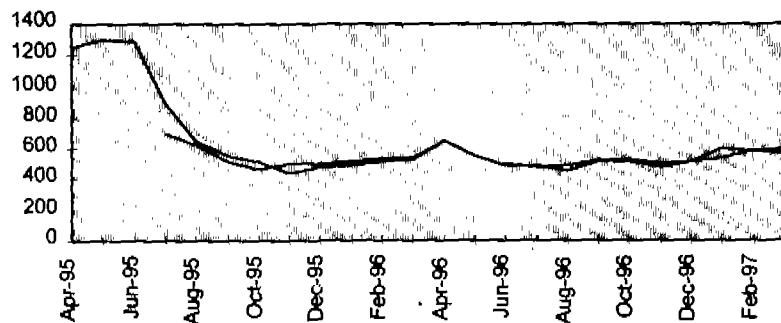
	1995-96		1996-97	
	GPPS	HIPS	GPPS	HIPS
Net sales realisation	40777	45536	32583	37682

The average sales realisation during the period of investigations was lower than optimum cost of production of the domestic industry resulting in financial losses to the domestic industry.

v) **Profit/Loss:**

The domestic industry was making profits from its sales relating to polystyrene till 1995-96. However, unit sales realisations significantly below its cost of production in the investigations period resulted in financial losses to the petitioner. It is noted that the domestic industry made financial losses in 1995-96. The same were, however, largely due to significantly higher prices paid by the companies for one of the major raw material, styrene. Impact of high prices of styrene monomer paid by Rajasthan Polymers and Hinsustan Polymers has been assessed by the Authority considering the prices at which Supreme

Petrochem could purchase styrene. The Authority has further examined whether the prices paid by Supreme Polymers were in line with the prices prevailing in other countries, for which, the prices paid by Supreme Petrochem were compared with the prices payable CFR Taiwan, as disclosed by PCI-Plastics (for 1995-96) and ICIS-LOR (for 1996-97). The results are as shown below:



The Authority notes the prices paid by Supreme Petrochem for styrene monomer were comparable to the prices paid by other purchasers in the world. It is held that Rajasthan Polymers and Hindustan Polymers made losses in 1995-96 which can be attributed to purchase of styrene at high prices, and their polystyrene production otherwise had resulted in profits. These companies are, however, quite comparable to Supreme Petrochem for the year 1996-97 in terms of styrene pricing and losses in 1996-97 were due to unremunerative prices of polystyrene.

g. Conclusion on injury :

- ◆ The imports of polystyrene increased in absolute terms from the subject countries during the period of investigations;
- ◆ The share of the subject country in imports of polystyrene in India as also the demand of polystyrene in India increased significantly during the investigations period;
- ◆ Exports of polystyrene from the subject country forced the domestic industry to keep its prices to unremunerative levels, and prevented the domestic industry from recovering its fair selling price, resulting in financial losses to the domestic industry;
- ◆ Various indicators relating to domestic industry such as production, capacity utilisation, sales quantities, average sales realisation, stock, losses collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury, even though some of the parameter show improvement;

33. It may thus seen the domestic industry has suffered material injury.

J. **CAUSAL LINK:**

34. In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the imports from the subject countries, the Authority holds that increase in market share of the imports from Japan, Korea RP, Malaysia and Taiwan resulted in decline in the market share of the domestic industry and forced the domestic industry to keep its prices to unremunerative levels and prevented the domestic industry from recovering its fair selling price, resulting in financial losses to the domestic industry.

L. **INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**

35. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

36. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of polystyrene. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

37. To ascertain the extent of Anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority has relied upon reasonable selling price of polystyrene in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.

M. **LANDED VALUE:**

38. The landed value have been determined on the basis of weighted average export price of polystyrene from Japan, Korea RP, Malaysia and Taiwan, after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing and two percent handling charges.

N. **CONCLUSIONS:**

39. It is seen, after considering the foregoing, that:

- Polystyrene originating in or exported from Japan, Korea RP, Malaysia and Taiwan has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
- The Indian industry has suffered material injury;
- The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject country.

40. It is considered necessary to impose anti dumping duty, provisionally, pending final determination, on all imports of polystyrene originating in or exported from the subject countries, pending further investigations.

41. It was considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. Landed prices of the imports, for the purpose, was compared with the fair selling price of the domestic industry, determined for the period of investigations. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. Accordingly, it is proposed that provisional anti dumping duties, as set out below be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of polystyrene originating in or exported from Japan, Korea RP, Malaysia and Taiwan falling under Chapter 39 of the Customs Tariff, pending final determination.

SN	Name of the Country	Name of the Exporter	Amount of Anti-Dumping Duty (Rs. Pmt)
1.	Malaysia	a. Petrochemicals (M) Sdn. Bhd., Malaysia • GPPS type polystyrene • HIPS type polystyrene b. Any other exporter • GPPS type polystyrene • HIPS type polystyrene	4360 4250 4360 4250
2.	Republic of Korea	Any exporter	5991
3.	Taiwan	b) Eternal Chemical Co Ltd. • GPPS type polystyrene • HIPS type polystyrene Other exporters	Nil 2677 11388
4.	Japan	Any exporter	3766

42. Exporters, importers, petitioners and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority